न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)
(निगम योजना एवं निगम संचार)
(Corporate Planning & Corporate Communication)

दिनांक : 15 /11/2022

विषय:- **नाभिकीय ऊर्जा एवं भारतीय PHWRs की यशोगाथा पर सेमिनार**

Sub:- **Seminar on Nuclear Energy and Success Story of Indian PHWRs**

एनपीसीआईएल के जन संपर्क कार्यकलाप के भाग के रूप में दिनांक 11 नवंबर , 2022 को वीर जिजाबाई तंत्रज्ञान संस्था, मुंबई में दो सत्रों में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

As a part of NPCIL's public outreach activities a seminar was organised in two sessions on 11th Nov 2022 at Veer Jijabai Technological institute Mumbai.

संगोष्ठी के शुरुवात मे 540 MW परमाणु सयंत्र पर आधारित व्हिडिओ फिल्म दिखाई गई।

पहला सत्र **'नाभिकीय ऊर्जा, एक संधारणीय एवं स्थायी ऊर्जा स्रोत'** विषय पर था जिसमें श्री उदय कशेलीकर, वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता, सीपी एंड सीसी समूह, मुख्यालय एनपीसीआईएल ने व्याख्यान दिया। इस सत्र में संधारणीयता, स्वच्छ ऊर्जा स्रोत, राष्ट्र एवं विश्व का ऊर्जा परिदृश्य, नाभिकीय ऊर्जा के लाभ एवं चुनौतियां, विकिरण पर तथ्यों सहित न्यूक्लियर विद्युत के संरक्षा एवं कार्यनिष्पादन स्वरूप जैसे पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही श्रोताओं को न्यूक्लियर विद्युत की भूमिका, कार्य योजना एवं भावी दिशा से भी अवगत कराया गया।

A video film depicting 540 MW nuclear power plant and explanation of systems was shown at the start of the program.

There were two sessions. First session was devoted to **"Nuclear Energy, A safe Sustainable and Energy option"** delivered by Shri Uday Kashelikar, Senior Executive Engineer, CP&CC Group, HQ NPCIL. This session covered aspects on sustainability, clean energy sources, energy scenario of the nation and world, merits and challenges of nuclear energy, safety and performance aspects of nuclear power along with facts on radiation. Role, roadmap and way forward of nuclear power in meeting power requirements was also shared with the audience.

दूसरे सत्र में **'भारतीय अणु सयंत्रों की यशोगाथा'** विषय पर डॉ धानश्री व्यवहारे , उप मुख्य अभियंता , इलेक्ट्रिकाल डिज़ाइन, मुख्यालय एनपीसीआईएल द्वारा व्याख्यान दिया गया। इस सत्र में, में भारतीय अनुसयत्रों की तकनीकी प्रगति तथा भारतीय सयंत्रो मे फुकुशिमा दुर्घटना पश्चात किए सुधारो के बारे मे अवगत कराया ।

Second session on **"Success story of Indian Nuclear power plants"** was delivered by Dr. Dhanashree Vyawahare, Deputy chief Engineer, Electrical design, HQ NPCIL. In this session, journey and evolution of Indian Pressurised Heavy water reactors was explained, improvements and safety modification post Fukushima were discussed.

इसके पश्चात प्रश्न-उत्तर का एक सत्र आयोजित किया गया जिसमें नाभिकीय ऊर्जा, हरित स्रोत, संधारणीयता, संरक्षा एवं विविध अनुप्रयोगों के विभिन्न पहलुओं सहित बहुत से मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। यह सत्र प्रतिभागियों की अच्छी उपस्थिति सहित बहुत ही संवादमूलक रहा। इन सत्रों में लगभग 180 विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया।

This was followed with question and answer session, wherein a number of issues including different aspects of nuclear energy, green sources, sustainability, safety and diverse applications were discussed in depth. The sessions were highly interactive with good participation from the attendees. About 170 students, faculty and staff members attended these sessions.

इस संपूर्ण कार्य को वरिष्ठ संकाय सदस्यों तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा खूब सराहा गया।

This programme was appreciated by students and faculty of institute.

उदय कशेलिकर

कार्यक्रम की झलकियां Glimpses of the Event

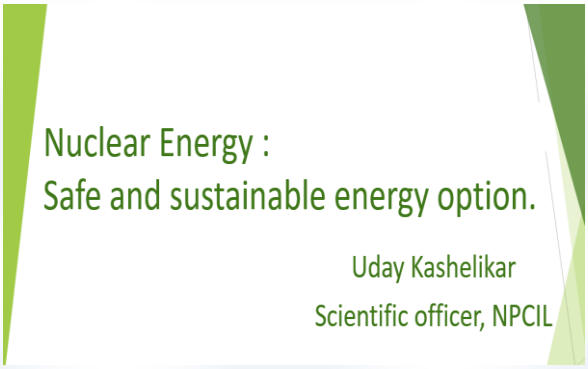

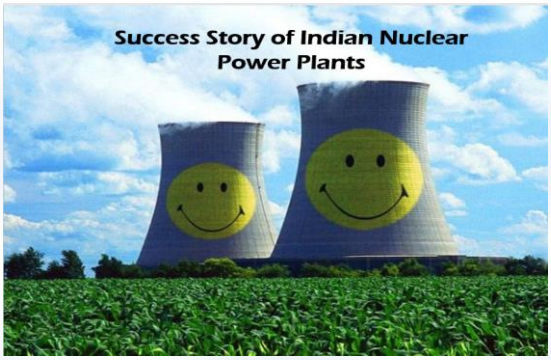

VJTI